ISSN 0972-5636

भारतीय आधुनिक शिक्षा

वर्ष 38 अंक 3 जनवरी 2018

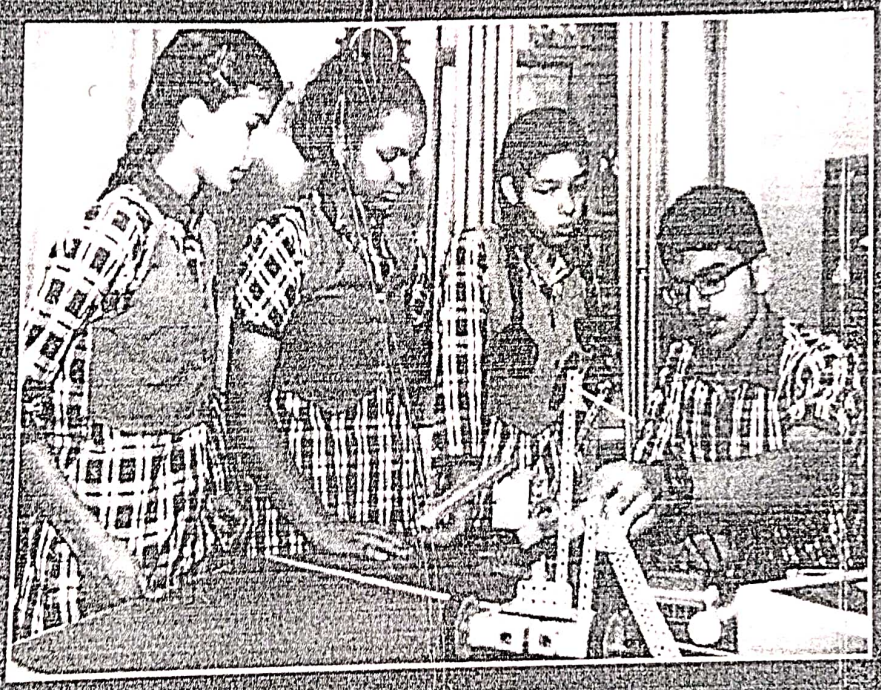

प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण शिक्षा हेतु कक्षा शिक्षण और रचनावादी उपागम

रत्नेश मिश्रा*

यह लेख प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण शिक्षा हेतु कक्षा शिक्षण और रचनावादी उपागम के संदर्भ में प्रस्तुत है। संज्ञानात्मक मनोविज्ञान तथा समाज विज्ञान में हुए अनुसंधान कार्यों पर आधारित रचनावादी उपागम के अनुसार अधिगम एक सक्रिय प्रक्रिया है, जिसमें अधिगमकर्ता अपनी सक्रिय सहभागिता द्वारा अपने व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर नवीन विचार और संप्रत्यय निर्मित करता है तथा अनुभवों द्वारा ज्ञान का निर्माण करता है। अधिगम संसार की व्यक्तिगत व्याख्या है जिसमें अनुभवों के आधार पर अर्थ का विकास होता है। हर विद्यार्थी व्यक्तिगत और सामाजिक तौर पर अर्थ का निर्माण करता है अर्थात् अर्थ निर्माण ही सीखना है। शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में विद्यार्थी की सक्रिय सहभागिता शिक्षा को रुचिपूर्ण बना देती है, जबकि परंपरागत शिक्षण पद्धति ज्ञान के बाह्य आरोपण पर आधारित है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों के समक्ष सूचनाओं की एक समान प्रस्तुति कर दी जाती है। विद्यार्थियों को इन सूचनाओं को याद करके परीक्षा में उन सूचनाओं की समान प्रस्तुति करनी होती है। स्मृति आधारित यंत्रवत शिक्षण से कक्षा का वातावरण अरुचिकर हो जाता है। आज के समय में जब विद्यार्थी पर अधिकाधिक ज्ञानार्जन का दबाव है, तब पर्यावरण शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय की परंपरागत शिक्षण पर आधारित प्रस्तुति विशेष रूप से प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों में अरुचि ही उत्पन्न करेगी। प्राथमिक स्तर पर दबावरहित रुचिपूर्ण पर्यावरण शिक्षा आज की आवश्यकता है। इस लेख में प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण शिक्षा की आवश्यकता, रचनावाद के सिद्धांतों और उनके आधार पर पर्यावरण शिक्षा हेतु कक्षा शिक्षण के स्वरूप को प्रस्तुत किया गया है।

प्रकृति असीमित है और उसके रहस्य भी। प्रकृति के असीमित रहस्यों को जान लेने की इच्छा मनुष्य में सदा से ही रही है। प्रकृति के रहस्यों को जान लेने की मानवीय अभिलाषा के कारण हुए असीमित प्रयत्नों के परिणामस्वरूप ही विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कार हुए। इन वैज्ञानिक आविष्कारों ने जीवन को अत्यधिक सुविधापूर्ण बनाया। विज्ञान द्वारा प्राप्त उपहारों ने सुखपूर्ण जीवन व्यतीत करने की मानवीय इच्छाओं को और बढ़ा दिया। विज्ञान के क्षेत्र में एक के बाद एक हुई खोजों

* प्रवक्ता, बी.एड. विभाग, डी.बी.एस. महाविद्यालय, कानपुर 208006

Chapter 3.indd 25 10/1/2018 2:38:50 PM